# भारती महाविद्यालय
# राजभाषा कार्यान्वयन समिति

## हिंदी पक्षोत्सव 2024 - 2025

भारती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के राजभाषा कार्यान्वयन समिति के संयुक्त तत्वावधान में 14 सितंबर से 28 सितंबर 2024 तक हिंदी पक्षोत्सव का भव्य और गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। इस आयोजन का उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रति छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों में न केवल जागरूकता बढ़ाना था, बल्कि हिंदी को राजभाषा के रूप में सुदृढ़ करना तथा इसके व्यावहारिक प्रयोग को प्रोत्साहन देना भी था।
पखवाड़े भर चले इस उत्सव के दौरान महाविद्यालय परिसर में एक उत्सवी वातावरण व्याप्त रहा। हिंदी के महत्व, सौंदर्य और समृद्धि को प्रत्यक्ष अनुभव कराने के लिए विविध प्रकार की रचनात्मक एवं शैक्षणिक गतिविधियों का संयोजन किया गया। इन गतिविधियों में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और शिक्षणेतर कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी प्रतिभागियों में प्रतियोगिता का उत्साह और भाषा के प्रति आत्मीयता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रही थी।

### हिंदी पक्षोत्सव के प्रमुख कार्यक्रम

इस आयोजन की श्रृंखला में कई उल्लेखनीय प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिनमें प्रतिभागियों की रचनात्मकता, भाषाई दक्षता और सांस्कृतिक समझ का अद्वितीय संगम देखने को मिला।

### निबंध प्रतियोगिता

निबंध प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए समाज, संस्कृति और शिक्षा से जुड़े विविध विषयों पर अपने विचार प्रकट किए। प्रतिभागियों ने न केवल विषय की गहराई को समझते हुए तार्किक और सुव्यवस्थित लेखन प्रस्तुत किया, बल्कि अपने अनुभवों और दृष्टिकोण को भी प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया। कई निबंधों में भारतीय संस्कृति की धरोहर, आधुनिक शिक्षा की चुनौतियाँ और सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श देखने को मिला। भाषा की शुद्धता, प्रवाह और भावपूर्ण अभिव्यक्ति ने निर्णायकों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

### एकल अभिनय प्रतियोगिता

एकल अभिनय प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने अभिनय कौशल के माध्यम से हिंदी साहित्य और समकालीन सामाजिक मुद्दों को मंच पर जीवंत कर दिया। प्रस्तुतियों में जहाँ एक ओर कालजयी साहित्यिक पात्रों के संवाद थे, वहीं दूसरी ओर सामाजिक कुरीतियों और वर्तमान समस्याओं पर मार्मिक संदेश भी थे। छात्रों ने मंचीय अभिव्यक्ति, संवाद अदायगी और भाव-भंगिमा के उत्कृष्ट मेल से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कई प्रस्तुतियों ने दर्शकों को सोचने पर विवश किया और हिंदी मंच कला की व्यापक संभावनाओं का आभास कराया।

**स्लोगन लेखन प्रतियोगिता**

स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी रचनात्मकता और भाषाई कौशल का अद्भुत प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने हिंदी भाषा को प्रोत्साहन देने वाले सटीक, संक्षिप्त और प्रभावशाली नारे लिखे, जो सीधे श्रोताओं के मन को छूते थे। अनेक स्लोगन ऐसे थे, जिनमें हिंदी के महत्व को भावनात्मक और तार्किक दोनों स्तरों पर उजागर किया गया, जैसे — "हिंदी है पहचान हमारी, बढ़ाएं इसकी जिम्मेदारी" या "राजभाषा का मान, देश का अभिमान"। इन नारों में छात्रों की भाषा के प्रति निष्ठा और रचनात्मक दृष्टि स्पष्ट झलक रही थी।

**स्वरचित कविता लेखन**

कविता प्रेमियों के लिए आयोजित स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता ने वातावरण को भावनाओं और साहित्यिक माधुर्य से भर दिया। प्रतिभागियों ने अपनी मौलिक कविताओं में प्रेम, देशभक्ति, प्रकृति, समाज और जीवन के विविध आयामों को अभिव्यक्त किया। कुछ कविताओं में व्यक्तिगत अनुभवों की आत्मीयता थी, तो कुछ में सामाजिक सरोकारों की गहरी समझ। शब्दों का चयन, लय का संतुलन और भावों की सघनता ने इस प्रतियोगिता को एक यादगार साहित्यिक संध्या में बदल दिया।

**आशु भाषण प्रतियोगिता**

आशु भाषण प्रतियोगिता में छात्रों को दिए गए विषय पर सीमित समय में त्वरित रूप से भाषण देने का अवसर मिला। यह प्रतियोगिता छात्रों की त्वरित सोच, भाषाई सटीकता और मंचीय आत्मविश्वास को परखने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। प्रतिभागियों ने विषय को समझकर, बिना लिखित तैयारी के, सहज और प्रभावी भाषण प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता ने न केवल उनके मौखिक संप्रेषण कौशल को निखारा, बल्कि उन्हें वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में तत्पर और आत्मविश्वासी बनने का अभ्यास भी कराया।

**आओ हिंदी में हस्ताक्षर करें अभियान**

इस विशेष अभियान का उद्देश्य प्रतिभागियों को हिंदी में हस्ताक्षर करने की आदत विकसित करने और इसके माध्यम से हिंदी के दैनिक जीवन में प्रयोग को बढ़ावा देना था। महाविद्यालय परिसर में लगाए गए हस्ताक्षर पटल पर छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने गर्वपूर्वक हिंदी में अपने हस्ताक्षर किए। इस अभियान ने सभी को यह संदेश दिया कि भाषा का वास्तविक सम्मान तभी है, जब हम इसे अपने व्यवहार में आत्मसात करें।

**पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता**

पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा और विचारों की स्पष्टता का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। रंगों, प्रतीकों और शब्दों का सटीक संयोजन करते हुए प्रतिभागियों ने ऐसे पोस्टर बनाए, जो न केवल देखने में आकर्षक थे, बल्कि हिंदी भाषा के महत्व और प्रासंगिकता को भी प्रभावी ढंग से व्यक्त करते थे।

**वाद–विवाद प्रतियोगिता**

वाद–विवाद प्रतियोगिता में छात्रों ने विभिन्न सामयिक और विचारोत्तेजक विषयों पर पक्ष और विपक्ष में तर्क प्रस्तुत किए। उनके तर्कों में गहन अध्ययन, तार्किक दृष्टिकोण और भाषाई प्रवीणता का सुंदर संतुलन था। कई बार तो दर्शक भी वक्ताओं की ओजस्वी वाणी और तथ्यपूर्ण प्रस्तुति से प्रभावित होकर तालियाँ बजाने लगे।

**कविता लेखन प्रतियोगिता**

इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने हिंदी कविता के विविध रूपों और विषयों का सृजनात्मक प्रयोग किया। कुछ कविताओं में छंद और तुकांत की परंपरा थी, तो कुछ में मुक्त छंद की स्वच्छंदता। विषय-वस्तु में विविधता और प्रस्तुति में भावपूर्णता ने निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

**राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगि**ता

राजभाषा कार्यान्वयन और हिंदी भाषा के इतिहास, साहित्य तथा व्याकरण से जुड़े प्रश्नों पर आधारित इस प्रतियोगिता ने प्रतिभागियों के ज्ञान और जागरूकता की परीक्षा ली। प्रतिस्पर्धा इतनी रोचक रही कि अंत तक उत्सुकता और रोमांच बना रहा।

हिंदी पक्षोत्सव 2024–2025 के अंतर्गत आयोजित इन सभी गतिविधियों ने यह सिद्ध कर दिया कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। इस पखवाड़े ने न केवल प्रतिभागियों को अपनी भाषा में सोचने, लिखने और बोलने के नए अवसर प्रदान किए, बल्कि हिंदी के गौरव और उपयोगिता को भी हृदयंगम कराया। महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने जिस उत्साह, समर्पण और सौहार्द्र के साथ इसमें भाग लिया, वह इस आयोजन की सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

फ़ोटो (Drive link)
https://drive.google.com/drive/folders/15FE_beHC94FbOTXgrxqOwyrMup-uFHPF?usp=sharing

राजभाषा हिन्दी पक्षोत्सव
भारती महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय
राजभाषा कार्यान्वयन समिति
एवं
'सृजन' हिन्दी साहित्य संस्था
समन्वयक
प्रो० मन्जु शर्मा

राजभाषा हिन्दी पक्षोत्सव
14 - 28 सितम्बर
भारती महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय
राजभाषा कार्यान्वयन समिति
एवं
'सृजन' हिन्दी साहित्य संस्था
द्वारा आयोजित
प्राचार्या
प्रो० सलोनी गुप्ता
समन्वयक
प्रो० मन्जु शर्मा